दैनिक भास्कर नई दिल्ली 19-03-2025

अन्य भाषा में लिखी बातें अपनी भाषा में समझ सकते हैं: नरेश

ईएसआईसी के उप क्षेत्रीय कार्यालय में अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम में चर्चा करते अधिकारी।

गुरुग्राम | केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा ईएसआईसी कार्यालय गुरुग्राम में पांच-दिवसीय हिंदी कार्यशाला सह संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण का शुभारंभ कार्यालय प्रमुख सुनील यादव, संयुक्त निदेशक (प्रभारी) की अध्यक्षता द्वारा किया गया। नरेश कुमार-संयुक्त निदेशक एवं लेखा सरीन-सहायक निदेशक, केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली मुख्य अतिथि के रूप उपस्थित रहे।

पांच दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति गुरुग्राम के तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें गुरुग्राम के केंद्रीय सरकार के कार्यालयों के अधिकारियों को उनके सक्षम प्राधिकारी द्वारा नामित किया गया है। नरेश कुमार ने बताया कि केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो वर्ष 1971 से केंद्रीय सरकार के कार्मिकों को अनुवाद कार्य में प्रशिक्षित कर रहा है तथा भारत सरकार के सभी मंत्रालयों के अनुवाद कार्य को निष्पादित कर रहा है। लेखा सरीन ने कहा कि अनुवाद ही एक ऐसा माध्यम है जिससे हम किसी अन्य भाषा में लिखी गई बातों को अपनी भाषा में समझ सकते हैं। कार्यालय प्रमुख सुनील यादव ने कहा कि इस कार्यालय द्वारा यह एक नया प्रयोग किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, प्रदेश मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली सहित पार्टी और संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया।

उन्होंने जिलाध्यक्ष अजीत यादव को अपनी ओर से पूर्ण सहयोग प्रदान करने और साथ मिलकर पार्टी के लिए काम करने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अजीत यादव ने अमित भारद्वाज सहित मौके पर उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं का धन्यवाद करते हुए सभी को साथ लेकर पार्टी की मजबूती के लिए कार्य करने की भरोसा दिलाया।

मनोहर लाल ने मंगलवार को गुरुग्राम के जमालपुर गांव पहुंचकर केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री और अलवर से सांसद भूपेंद्र यादव के पिता स्व. कदम सिंह के निधन पर अपनी शोक संवेदनाए व्यक्त कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

केंद्रीय मंत्री के पिता का शनिवार को 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने स्व. कदम सिंह की फोटो पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की।

उन्होंने भूपेंद्र यादव तथा उनके परिजनों से मुलाकात कर शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हमारे बुजुर्ग हमारी धरोहर और पथ प्रदर्शक हैं।

ऐसे में जीवन में पिता की कमी को किन्ही अर्थों में पूरा नही किया जा सकता, लेकिन यह जीवन चक्र है इसकी सच्चाई को स्वीकार करते हुए हमें जीवन में आगे बढ़ना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जीवन और मृत्यु के चक्र में आत्माएं अजर अमर हैं। इस पर किसी का बस नहीं है। उन्होंने कहा कि जो पुण्य-आत्मा आज हमारे बीच नहीं है, ईश्वर उसे अपने श्री चरणों मे स्थान दे।

उप क्षेत्रीय कार्यालय ईएसआईसी गुरुग्राम में पांच दिवसीय अनुवाद प्रशिक्षण शुरू

देव चौहान, देश रोजाना

गुरुग्राम। केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा ईएसआईसी कार्यालय गुरुग्राम में पांच-दिवसीय हिंदी कार्यशाला सह संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण का शुभारंभ कार्यालय प्रमुख सुनील यादव, संयुक्त निदेशक (प्रभारी) की अध्यक्षता द्वारा की गई।

नरेश कुमार-संयुक्त निदेशक एवं लेखा सरीन-सहायक निदेशक, केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली से इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप उपस्थित रहे। प्रशिक्षण का शुभारंभ कार्यालय प्रमुख सुनील यादव तथा केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो नई दिल्ली के अधिकारी नरेश कुमार एवं लेखा सरीन व अन्य अधिकारियों ने पंचदीप प्रज्वलित कर किया। बता दें कि पांच दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति गुरुग्राम के तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें गुरुग्राम के केंद्रीय सरकार के कार्यालयों के अधिकारियों को उनके सक्षम प्राधिकारी द्वारा नामित किया गया है। अपने संबोधन में नरेश कुमार ने बताया कि केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो वर्ष 1971 से केंद्रीय सरकार के कार्मिकों को अनुवाद कार्य में प्रशिक्षित कर रहा है तथा भारत सरकार के सभी मंत्रालयों के अनुवाद कार्य को निष्पादित कर रहा है। उन्होंने बताया कि अनुवाद भाषाओं के मध्य एक सेतु का कार्य करता है। लेखा सरीन ने कहा कि अनुवाद ही एक ऐसा माध्यम है जिससे हम किसी अन्य भाषा में लिखी गई बातों को अपनी भाषा में समझ सकते हैं। कार्यालय प्रमुख सुनील यादव ने कहा कि इस कार्यालय द्वारा यह एक नया प्रयोग है जिसमें केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो का योगदान अविस्मरणीय है।

उन्होंने सभी प्रशिक्षार्थियों से कहा कि हमें जीवन में हमेशा कुछ न कुछ नया सीखते रहना चाहिए और यह अनुवाद प्रशिक्षण एक नव प्रयोग एवं नवाचार है।

ान मंदिर पर ल आयोजन

कार्यक्रम में पहुंचते है और पवन पुत्र

दो वर्षीय बच्चे को ढूंढकर किया परिजनों के हवाले

देव चौहान, देश रोजाना

सुबह 10 बजे से गांव कासन से